

THE HINDU**16th MARCH - A FRESH WARNING**

संदर्भ- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा 'पर्यावरण आउटलुक' की छठवीं रिपोर्ट प्रकाशित की गई।

इसकी थीम- 'स्वस्थ ग्रह, स्वस्थ लोग' (Healty Planet, Healty People)

- GEO-6 की रिपोर्ट के अनुसार, स्मॉग, पीने के पानी में हो रहे रासायनिक प्रदूषण और पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश से कई महामारियाँ फैल रही हैं, जिससे अरबों लोग प्रभावित हो रहे हैं।
- 70 देशों के 250 वैज्ञानिकों द्वारा GEO-6 रिपोर्ट तैयार की गई है, इस रिपोर्ट के अनुसार कार्बन डाइऑक्साइड जैसे ग्रीन हाउस गैसों के बढ़ने से पूरा विश्व प्रभावित होगा।
- वायु प्रदूषण के कारण वर्षभर में 60 से 79 लाख मौतें हो रही हैं।
- पीने का साफ पानी उपलब्ध न होने के कारण डायरिया जैसी बीमारियाँ से भी हर साल 14 लाख लोगों की मौत हो रही है।
- GEO-6 रिपोर्ट में पेरिस समझौता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कोई रूपरेखा तैयार न होने पर चिंता व्यक्त की गई तथा जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण सुरक्षा के लिए, सभी देशों को समान रूप से योगदान देने हेतु अपील की गई।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- विश्व में लगातार संसाधनों के दोहन से बड़ी मात्रा में अपशिष्ट पदार्थ पैदा हो रहे हैं। आर्थिक विकास हेतु रैखिक मॉडल में जो उच्च मात्रा में संसाधनों के दोहन पर आधारित होता है, इससे वायु, जल और भूमि प्रदूषण अधिक मात्रा में होता है। यह प्रदूषण अधिक मात्रा में मृत्यु दर का कारण बनता है। इस प्रदूषण से विशेष रूप से उन लोगों पर प्रभाव ज्यादा पड़ता है, जो स्वयं का बचाव करने में असमर्थ होते हैं।
- GEO-6 की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण-पूर्व एशिया में वायु प्रदूषण से सर्वाधिक मौत होती है।
- एक अनुमान के अनुसार 2017 में भारत में लगभग 1.24 मिलियन मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं।
- भारत जैसे विशाल जनसंख्या व कृषि प्रधान देश को तापमान वृद्धि व मानूसन की अनियमितता के संबंध में गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। खाद्य सुरक्षा व स्वास्थ्य को जलवायु परिवर्तन गंभीर रूप से प्रभावित करता है। भारत के सामने पर्यावरण कानून को सूचारू ढंग से लागू न करने की मानवीय कीमत व पर्यावरण लागत को पहचानना होगा तथा उसे दूर करने के उपाय करने होंगे।
- आर्थिक गतिविधियों में जीवाश्म ईंधन व जहरीले रसायनों की जगह नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए।
- 2019 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन का वन्यजीव प्राणियों तथा पौधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और वे विलुप्त हो रहे हैं।

उपाय

- वायु प्रदूषण के स्तर को पहचानने हेतु वायु गुणवत्ता की निगरानी की जाएं तथा वायु गुणवत्ता को सुधारने के प्रयास किए जाएं।

- शहरों में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के प्रयास किए जाए तथा नवीकरणीय व स्वच्छ ऊर्जा का प्रयोग किया जाए।
- GEO-6 रिपोर्ट के अनुसार विश्व के 10% अमीर आबादी, ग्रीन हाउस गैसों का 45% उत्सर्जन करती है, जबकि निचले स्तर की 50% आबादी 13% के लिए जिम्मेदार है।
- शहरी प्रदूषण हेतु परिवहन के साधन बड़ा स्रोत है। इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करके प्रदूषण कम किया जा सकता है।
- भूमिगत जल के पुनर्चक्रण हेतु प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसे पुनर्प्राप्त, उपचारित व पुनः उपयोग हेतु बढ़ावा देना चाहिए।
- राज्य सरकारों द्वारा वर्षा जल भण्डारण हेतु प्रयास किए जाने चाहिए ताकि मानसून के असफल होने पर भी कृषि सिंचाई हेतु वर्षा जल संग्रहण का इस्तेमाल किया जा सके और अधिक वर्षा होने पर बाढ़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।
- वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (GEO) को अक्सर सुयुक्त राष्ट्र पर्यावरण के प्रमुख पर्यावरणीय मूल्यांकन के रूप में जाना जाता है। पहला प्रकाशन 1997 में हुआ था और मूल रूप से सदस्य राज्यों द्वारा अनुरोध किया गया था। यह एक फ्लैगशिप रिपोर्ट है। जिसने 1972 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की स्थापना की थी।
- वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (GEO) पर्यावरण की स्थिति का स्वतंत्र मूल्यांकन तैयार करने के लिए एक परामर्शात्मक और भागीदारी प्रक्रिया है, इन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए नीति प्रतिक्रिया की प्रभावशाली और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संभावित रास्ते सुझाती है। यह प्रक्रिया एकीकृत पर्यावरणीय आकलन करने और राज्य, पर्यावरण के रूझान और दृष्टिकोण पर रिपोर्टिंग करने की क्षमता का भी निर्माण करती है। ग्लोबल एनवायरनमेंट आउटलुक (GEO) भी उत्पादों की एक श्रृंखला है जो न केवल सरकारों के लिए बल्कि युवाओं, व्यवसायों और स्थानीय सरकारों जैसे विभिन्न हितधारकों को भी पर्यावरणीय निर्णय लेने की सूचना देती है और इसका उद्देश्य विज्ञान और नीति के बीच समन्वय को सुविधाजनक बनाना है।

मुख्य परीक्षा

- प्र. GEO-6 रिपोर्ट एक और तो विश्व के सामने सतत और समावेशी विकास के लक्ष्य में आने वाली चुनौतियों को रेखांकित कर रही है, तो दूसरी ओर विज्ञान व नीतियों के मध्य समन्वय पर जोर देती है। व्याख्या कीजिए।

प्रारंभिक परीक्षा

- प्र. हाल ही में प्रकाशित की गई पर्यावरण आउटलुक रिपोर्ट के संबंध में असत्य कथन की पहचान करें-
- (a) यह रिपोर्ट का 6ठा संस्करण है, इस रिपोर्ट की थीम - 'स्वस्थ ग्रह, स्वस्थ लोग' है।
 - (b) इस रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में विश्व की अमीर 10% आबादी का हिस्सा 45% तथा निचली 50% आबादी की हिस्सेदारी 13% है।
 - (c) इस रिपोर्ट में आर्थिक विकास हेतु सभी देशों को रेखीय मॉडल के स्थान पर वृत्ताकार मॉडल अपनाने को प्रोत्साहित किया गया।
 - (d) इस रिपोर्ट का प्रकाशन प्रतिवर्ष UNFCCC के द्वारा किया जाता है।